पंचम अध्याय

निष्कर्ष शोध की सीमायें एवं शोध हेतु सुझाव

पंचम अध्याय

निष्कर्ष शोध की सीमायें एवं शोध हेतु सुझााव

5.1 **निष्कर्ष :–** प्रस्तुत शोध में न्यादर्श प्रदत्तों का संकलन एवं विश्लेषण के पश्चात निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए :–

1. अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थी के सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि के बीच कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया ।
2. अनुसूचित जनजाति के मध्यम तथा उच्च सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धियों के छात्र–छात्राओं में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं पाया गया।
3. अनुसूचित जनजाति के निम्न सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि के विद्यार्थी तत्संबंध पाया गया है।
4. अनुसूचित जनजाति के शाला में पाये जाने वाले शिक्षकों की समस्या में सार्थकता पाई गई।
5. अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थी की समस्या में सार्थरता पाई गयी।

5.2 **शोध की सीमाए :–**

प्रस्तुत शोध कार्य करते समय–समय का अभाव होने के कारण बैतूल जिले के मुलताई क्षेत्र के 9 विद्यालयों को लिया गया है।

छात्र–छात्राओं के परिवार तथा शिक्षकों से उनके बारे में व्यवहार संबंधी जानकारी प्राप्त की गयी।

शोध के निष्कर्ष मुलताई क्षेत्र के लिए ही उपयोगी है शोधकर्ता ने अध्ययन के लिए 105 विद्यार्थी का चयन किया इनमें 53 छात्र तथा 52 छात्राओं को सम्मिलित किया गया है।

5.3 शोध के सुझाव :-

- अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों कि सामाजिक एवं आर्थिक पृष्ठभूमि का अध्ययन करना।
- अनुसूचित जनजाति के मनो सामाजिकता का अध्ययन करना।
- आदिवासी क्षेत्र पर आधुनिकीकरण के प्रभाव का अध्ययन करना।
- ग्रामीण क्षेत्र तथा शहरी क्षेत्र के अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति एवं शैक्षिक उपलब्धि का प्रभाव अध्ययन करना।
- आदिवासी छात्रों को तथा छात्राओं को शासन द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं के प्रभाव का अध्ययन करना।
- ग्रामीण क्षेत्र में पायी जाने वाली शालाओं में सुविधा तथा असुविधा का अध्ययन करना।
- ग्रामीण क्षेत्र में पायी जाने वाली आदिवासी छात्र-छात्राओं के समस्या का अध्ययन करना।

LIBRARY
Bhopal